चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 31.7.2019 पृष्ठ सं. ..... 6 ..... कॉलम ..... 3-5 .....

एचएयू के दो शोधार्थी न्यूजीलैंड में मोरिंगा फसल की बीज परीक्षण प्रक्रियाओं पर करेंगे काम

'स्पार्क' के तहत यूनिवर्सिटी की छह अनुसंधान परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) के एग्रीकल्चर कॉलेज के अंतर्गत बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएचडी के दो छात्र निर्मल सिंह व अनुराग मलिक 'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसी यूनिवर्सिटी न्यूजीलैंड जाएंगे। दोनों छात्र न्यूजीलैंड में मोरिंगा फसल के बीज परीक्षण प्रक्रियाओं पर काम करेंगे। साथ ही बीज कंपनियों, आधुनिक प्रसंस्करण संयंत्रों, बीज प्रमाणीकरण एजेंसियों और आईएसटीए द्वारा मान्यता प्राप्त बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं का भी दौरा करेंगे।

परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 4.62 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई

कुलपति प्रो. केपी सिंह वैज्ञानिक और छात्रों के साथ। - अमर उजाला

यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह ने बताया कि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना स्कीम फॉ प्रमोशन ऑफ एकेडमिक व रिसर्च कॉलेबोरेशन 'स्पार्क' के तहत यूनिवर्सिटी की छह अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकार की हैं।

इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 4.62 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। इनमें से औषधीय पौधों (मोरिंगा और गोखरू) के लिए बीज परीक्षण प्रक्रियाओं और भंडारण के मानकीकरण विषय पर 62,88,710 रुपये की एक परियोजना बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रदान की गई है। इस परियोजना के तहत यूनिवर्सिटी के डॉ. अक्षय कुमार भुकर व डॉ. विरेंद्र सिंह मोर न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी के क्रेग राबर्ट व सोफकोवा के साथ मिलकर शोध करेंगे। प्रो. सिंह ने बताया कि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा द्वारा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के उद्देश्य से गत वर्ष अक्तूबर में 'स्पार्क' योजना शुरू की थी।

इसमें शीर्ष स्थान पर बने हुए भारतीय संस्थान और विदेशी संस्थान आपस में मिलकर संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 31.7.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 6.8

औषधीय पौधों पर काम करने के लिए न्यूजीलैंड जाएंगे एचएयू के पीएचडी छात्र

स्पार्क परियोजना के तहत काम करेंगे बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के छात्र

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएचडी के 2 छात्र निर्मल सिंह व अनुराग मलिक 'स्पार्क' परियोजना के तहत औषधीय पौधों पर काम करने न्यूजीलैंड स्थित मैसी विश्वविद्यालय जाएंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक व रिसर्च कॉलेबोरेशन 'स्पार्क' के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छह अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकार की हैं।

औषधीय मोरिंगा और गोखरू पर करेंगे

एचएयू में सोमवार को न्यूजीलैंड जाने वाले छात्रों को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

इन विदेशी संस्थानों पर छात्र पा रहे शिक्षा

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि हाल ही में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, जापान, 22 विद्यार्थी चेक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसिस, प्राग तथा एक विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की क्वींनजलैंड यूनिवर्सिटी में शिक्षा ग्रहण करने के लिए गए हैं।

रिसर्च : कुलपति ने बताया कि इस परियोजना में 4.62 करोड़ की रूपए की राशि प्रदान की गई है। इनमें से औषधीय पौधों (मोरिंगा और गोखरू) के लिए बीज परीक्षण प्रक्रियाओं और भंडारण के मानकीकरण विषय पर 62,88,710 रूपए की एक परियोजना बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रदान की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पँजाब केसरी .....

दिनांक 31.7.2019 पृष्ठ सं. ....4..... कॉलम ....2-4.....

ह.कृ.वि. के 2 पीएच.डी. छात्र शोध के लिए जाएंगे न्यूजीलैंड

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह वैज्ञानिक तथा छात्रों के साथ।

■ नेपियर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी लेंगे भाग

हिसार, 30 जुलाई (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएच.डी. के 2 छात्र निर्मल सिंह व अनुराग मलिक 'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड जाएंगे।

सह अनुसंधान निदेशक डा. नीरज कुमार ने बताया कि इस परियोजना के तहत चयनित छात्र न्यूजीलैंड में मोरिंगा फसल के बीज परीक्षण प्रक्रियाओं पर काम करेंगे और वे बीज कम्पनियों, आधुनिक प्रसंस्करण संयंत्रों, बीज प्रमाणीकरण एजैंसियों और आई.एस.टी.ए. द्वारा मान्यता प्राप्त बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं का भी दौरा करेंगे। ये पीएच.डी. छात्र 5-7 नवम्बर के दौरान नेपियर एग्रोनॉमी सोसायटी और न्यूजीलैंड ग्रासलैंड एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से नेपियर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

यहां भी गए हैं छात्र शिक्षा ग्रहण करने

अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने बताया कि हाल ही में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, जापान, 22 विद्यार्थी चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसिस, प्राग तथा एक विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की क्वीनजलैंड यूनिवर्सिटी में शिक्षा ग्रहण करने के लिए गए हैं।

ह.कृ.वि. की 6 परियोजनाएं स्वीकार

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना स्कीम फॉर परमोशन ऑफ एकैडमिक व रिसर्च कॉलेबोरेशन 'स्पार्क' के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छः अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकार की हैं तथा इन परियोजनाओं के कार्यान्वन के लिए 4.62 करोड़ की रुपए की राशि प्रदान की गई है। इनमें से औषधीय पौधों (मोरिंगा और गोखरू) के लिए बीज परीक्षण प्रक्रियाओं और भंडारण के मानकीकरण विषय पर 62,88,710 रुपए की एक परियोजना बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रदान की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक जागरण......

दिनांक 31.7.2019 पृष्ठ सं. 19 कॉलम 1-3

एचएयू के दो शोधार्थी न्यूजीलैंड में मोरिंगा फसल के बीज परीक्षण प्रक्रिया पर करेंगे काम

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के तहत बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएचडी के 2 छात्र निर्मल सिंह व अनुराग मलिक 'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसी विश्वविद्यालय न्यूजीलैंड जाएंगे। इस परियोजना के तहत चयनित छात्र न्यूजीलैंड में मोरिंगा फसल के बीज परीक्षण प्रक्रियाओं पर काम करेंगे और वे बीज कंपनियों, आधुनिक प्रसंस्करण संयंत्रों, बीज प्रमाणीकरण एजेंसियों और आइएसटीए द्वारा मान्यता प्राप्त बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं का भी दौरा करेंगे। ये पीएचडी छात्र 5-7 नवंबर 2019 के दौरान नेपियर एग्रोनॉमी सोसाइटी और न्यूजीलैंड ग्रासलैंड एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से नेपियर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसमें स्पार्क की छह परियोजनाएं प्रदान की गई है।

शीर्ष भारतीय और विदेशी संस्थान मिलकर करेंगे काम

अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने कहा कि बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा द्वारा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के उद्देश्य से गत वर्ष अक्तूबर माह में 'स्पार्क' योजना शुरू की थी जिसमें शीर्ष स्थान पर बने हुए भारतीय संस्थान और विदेशी संस्थान आपस में मिलकर संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करेंगे। उपरोक्त योजना के तहत पूरे देश से उन शोधकर्ताओं जिनका विश्व प्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग है, से अनुसंधान परियोजनाओं को आमंत्रित किया गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक ट्रिब्यून .....

दिनांक 31.7.2019 पृष्ठ सं. ....7..... कॉलम ....7-8.....

'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसी विश्वविद्यालय जाएंगे निर्मल व अनुराग

हिसार, 30 जुलाई (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएचडी के 2 छात्र 'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड जाएंगे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसमें स्पार्क की 6 परियोजनाएं प्रदान की गई हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना स्कीम फॅार परमोशन ऑफ एकेडमिक व रिसर्च कॉलेबोरेशन 'स्पार्क' के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की 6 अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकार की हैं तथा इन परियोजनाओं के कार्यान्वन के लिए 4.62 करोड़ की रूपए की राशि प्रदान की गई है। इनमें से औषधीय पौधों (मोरिंगा और गोखरू) के लिए बीज परीक्षण प्रक्रियाओं और भंडारण के मानकीकरण विषय पर एक परियोजना बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रदान की गई है।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत हकृवि के डॉ. अक्षय कुमार भुकर व डॉ. वीरेन्द्र सिंह मोर न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी के क्रेग राबर्ट व सोफकोवा के साथ मिलकर शोध करेंगे। प्रो. सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा द्वारा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के उद्देश्य से गत वर्ष अक्तूबर माह में 'स्पार्क' योजना शुरू की थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... हरि भूमि .....

दिनांक 31.7.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 1

छात्र निर्मल व अनुराग जाएंगे न्यूजीलैंड

हिसार। हकृवि कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएचडी के छात्र निर्मल सिंह व अनुराग मलिक 'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसी विश्वविद्यालय न्यूजीलैंड जाएंगे। हकृवि एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसमें स्पार्क की छह परियोजनाएं प्रदान की गई है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना स्कीम फॉर परमोशन ऑफ एकेडमिक व रिसर्च कॉलेबोरेशन 'स्पार्क' के तहत हकृवि की छह अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकार की हैं। इन परियोजनाओं के कार्यान्वन के लिए 4.62 करोड़ की रूपए की राशि प्रदान की गई है। इनमें से औषधीय पौधों मोरिंगा और गोखरू के लिए बीज परीक्षण प्रक्रियाओं और भंडारण के मानकीकरण विषय पर करीब 62.88 लाख रुपये की एक परियोजना बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रदान की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नित्य शक्ति टाइम्स....
दिनांक ..31.7.2019.. पृष्ठ सं. ....7.... कॉलम ....1-4....

स्पार्क परियोजना के तहत न्यूजीलेंड विवि. जाएंगे हकृवि के दो छात्र

हिसार, 31 जुलाई (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को अंतराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएचडी के 2 छात्र निर्मल सिंह व अनुराग मलिक 'स्पार्क'

हकृवि में प्रदान की गई स्पार्क की छह परियोजनाएं, कुलपति ने दी बधाई

परियोजना के तहत मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड जाएंगे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसमें स्पार्क की छः परियोजनाएं प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को

बढ़ावा देने की योजना स्कीम फॉर परमोशन ऑफ एकेडमिक व रिसर्च कॉलेबोरेशन 'स्पार्क' के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छः अनुसंधान परियोजनाएँ स्वीकार की हैं तथा इन परियोजनाओं के कार्यान्वन के लिए 4.62 करोड़ की रूपए की राशि प्रदान की गई है।

इनमें से औषधीय पौधों (मोरिंगा और गोखरू) के लिए बीज परीक्षण प्रक्रियाओं और भंडारण के मानकीकरण विषय पर 62,88,710 रूपए की एक परियोजना बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रदान की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत हकृवि के डॉ. अक्सय कुमार भुकर व डॉ. विरेन्द्र सिंह मोर न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी के क्रेग रावर्ट व सोफ्कोवा के साथ मिलकर शोध करेंगे।

प्रो. सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा द्वारा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के उद्देश्य से गत वर्ष अक्तूबर माह में 'स्पार्क' योजना शुरू की थी जिसमें शीर्ष स्थान पर बने हुए भारतीय संस्थान और विदेशी संस्थान आपस में मिलकर संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करेंगे। उपरोक्त योजना के तहत पूरे देश से उन शोधकर्ताओं जिनका विश्व प्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग है, से अनुसंधान परियोजनाओं को आमंत्रित किया गया था।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों के साथ आपसी रूचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है। हाल ही में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, जापान, 22 विद्यार्थी चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसिस, प्राग तथा एक विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्स्टी में शिक्षा ग्रहण करने के लिए गए हैं।

सह अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि इस परियोजना के तहत चयनित छात्र न्यूजीलैंड में मोरिंगा फसल के बीज परीक्षण प्रक्रियाओं पर काम करेंगे और ये बीज कंपनियों, आधुनिक प्रसंस्करण संयंत्रों, बीज प्रमाणीकरण एजेंसियों और आईएसटीए द्वारा मान्यता प्राप्त बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं का भी दौरा करेंगे।

ये पीएच.डी. छात्र 5-7 नवंबर 2019 के दौरान नेपियर एग्रोनॉमी सोसाइटी और न्यूज़ीलैंड ग्रासलैंड एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से नेपियर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

समाचार-पत्र का नाम ......पाठक पक्ष......
दिनांक 31.7.2019 पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...1-3...

एचएयू के छात्र करेंगे मोरिंगा और गोखरू पर शोध

हिसार, 31 जुलाई (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को अंतराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीएचडी के 2 छात्र निर्मल सिंह व अनुराग मलिक 'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड जाएंगे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसमें स्पार्क की छः परियोजनाएं प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना स्कीम फॉर परमोशन ऑफ एकेडमिक व रिसर्च कॉलेबोरेशन 'स्पार्क' के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छः अनुसंधान परियोजनाएँ स्वीकार की हैं तथा इन परियोजनाओं के कार्यान्वन के लिए 4.62 करोड़ की रूपए की राशि प्रदान की गई है। इनमें से औषधीय पौधों (मोरिंगा और गोखरू) के लिए बीज परीक्षण प्रक्रियाओं और भंडारण के मानकीकरण विषय पर 62,88,710 रूपए की एक परियोजना बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रदान की गई है। इस पयोजना के अंतर्गत हकृवि के डॉ. अक्सय कुमार भुकर व डॉ. विरेन्द्र सिंह मोर न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी के क्रेग राबर्ट व सोफकोवा के साथ मिलकर शोध करेंगे।